Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 18th February Shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2018-02-18 17:36:14
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	206205138
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205198
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205198
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2062051263 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	206205139
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205199
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205199
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2062051264 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

19 दिसंबर देश के इतिहास में उस तारीख के रूप में दर्ज है जब भारतीय सेना ने गोवा, दमन और दीव में प्रवेश करके इन इलाकों को 450 साल के पुर्तगाली आधिपत्य से आजाद कराया था। ब्रिटिश और फ्रांस के सभी औपनिवेशिक अधिकारों के खत्म होने के बाद भी गोवा, दमन और दीव में पुर्तगालियों का शासन था। भारत सरकार की बार बार बातचीत की मांग को पुर्तगाली बार बार ठुकरा दे रहे थे। जिसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय की तहत एक छोटा सा सेन्य दल भेजा। 18 दिसंबर 1961 के दिन ऑपरेशन विजय की कार्रवाई की गई। भारतीय सैनिकों के दल ने गोवा के बॉर्डर में प्रवेश किया। 36 घंटे से भी ज्यादा वक्त तक जमीनी, समुद्री और हवाई हमले हुए। इसके बाद पुर्तगाली सेना ने बिना किसी शर्त के भारतीय सेना के समक्ष 19 दिसंबर को आत्मसमर्पण किया। गोवा पश्चिमी भारत में बसा एक छोटा सा राज्य है। अपने छोटे से आकार के बावजूद यह विशाल ट्रेड सेंटर था और व्यापारियों को आकर्षित करता था। प्राइम लोकेशन की वजह थे गोवा के ओर मौर्य, सातवाहन और भोज राजवंश भी आकर्षित हुए थे। 1954 में, निशस्त्र भारतीयों ने गुजरात और महाराष्ट्र के बीच स्थित दादर और नागर हवेली के ऐंक्लेव्स पर कब्जा कर लिया। पुर्तगाल ने इसकी शिकायत हेग में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में की। 1960 में फैसला आया जिसमें लिखा था कि कब्जे वाले क्षेत्र पर पुर्तगाल का अधिकार है। कोर्ट ने साथ में ये भी फैसला दिया कि भारत के पास अपने क्षेत्र में पुर्तगाली पहुंच वाले ऐंक्लेव्स पर उसके दखल को न मानने का पूरा अधिकार भी है। 1 सितंबर 1955 को, गोवा में भारतीय कोन्सुलेट को बंद कर दिया गया। जिसके बाद भारत ने पुर्तगाल को बाहर करने के लिए गोवा, दमान और दीव के बीच ब्लोकेड कर दिया। इसी बीच, पुर्तगाल ने इस मामले को अंतराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की पूरी कोशिश की। लेकिन, क्योंकि यथास्थिति बरकरार रखी गई थी, 18 दिसंबर 1961 को भारतीय सेना ने गोवा, दमन और दीव पर चढाई कर ली। इसे ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया। पुर्तगाली सेना को यह आदेश दिया गया कि या तो वह दुश्मन को शिकस्त दे या फिर मौत को गले लगाए। पुर्तगाली सेना भारतीय सेना के सामने बेहद कमजोर साबित हुई। उनके पास भारी हथियारों की कमी थी। अखिरकार सीजफायर का ऐलान हो गया। जिसके बाद भारत ने पुर्तगाल के अधीन रहे इस क्षेत्र को अपनी सीमा में मिला लिया। पुर्तगाल के गवर्नर जनरल वसालो इ सिल्वा ने भारतीय सेना प्रमुख पीएन थापर के सामने सरेंडर किया। 30 मई 1987 को गोवा को राज्य का दर्जा दे दिया गया जबकि दमन और दीव केंद्रशासित प्रदेश बने रहे। गोवा मुक्ति दिवस प्रति वर्ष 19 दिसम्बर को मनाया जाता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes